

प्रेषक,

कुँवर सिंह
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक
उत्तरांचल जल संस्थान,
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग-

देहरादून: दिनांक 26 मई, 2004

विषय- नगरीय पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के जीर्णोद्धार/पुनर्गठन एवं सुदृढीकरण हेतु वर्ष 2004-05 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्रांक सं०-474/वि०अनु० अनुदान/2004-05 दिनांक 13 मई, 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार नगरीय पेयजल एवं जलोत्सारण योजनाओं के पुनर्गठन, जीर्णोद्धार सुदृढीकरण एवं मरम्मत हेतु रु० 3,08,54,000 (रु० तीन करोड़ आठ लाख चौब्वन हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण तब ही किया जायेगा जब पूर्व स्वीकृत धनराशि का 80 प्रतिशत तक उपयोग हो जाये।

3- पूर्व स्वीकृत धनराशि का एक माह के अन्दर उपयोग सुनिश्चित करके इस धनराशि का आहरण कर योजनायें समयबद्ध ढंग से पूर्ण करके इसकी सूचना शासन को दी जायेगी।

4- स्वीकृत धनराशि के आहरण के सम्बन्ध में मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल, जल संस्थान देहरादून, के हस्ताक्षर एवं जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी तथा कुमायूँ मण्डल से सम्बन्धित धनराशि आहरण के उपरान्त महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान कुमायूँ परिक्षेत्र नैनीताल को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।

5- कन्टीजेंसी एवं सेटेंज चार्जेंज शासन द्वारा अनुमन्य दरों पर ही लिया जाय। प्रोजेक्ट तैयार करने एवं सुपरविजन हेतु कोई धनराशि अनुमन्य नहीं होगी। रु० 1.00 करोड़ से अधिक लागत की जिन योजनाओं की प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति नहीं हुई है उनमें धनराशि कदापि व्यय न की जाय।

6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाईनेन्शियल हैंडबुक नियमों के अलावा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टेक्निकल स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

7- स्वीकृत धनराशि उन्ही कार्यों पर व्यय की जाय जिनके लिए यह स्वीकृत की जा रही है। धनराशि का व्यय ऐसे कार्यों पर कदापि नहीं किया जाये जिनके संबंध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवादग्रस्त है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय न की जाय।

8- योजना में कार्य करते समय टैंडर विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा और सेंटेंज आदि पर व्यय शासन द्वारा अनुमोदित दरों पर ही किया जायेगा।

9- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता / निर्माण ऐजेन्सी उत्तरदायी होंगे तथा निर्माण कार्य की मासिक / त्रैमासिक एवं वार्षिक प्रगति विवरण समीक्षा हेतु शासन को उपलब्ध करायेगे।

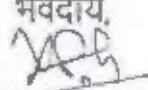
10- दिनांक 31.03.2004 तक स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

11- यदि धनराशि बैंक में जमा रखी जाती है तो उस पर समय-समय पर अर्जित ब्याज की धनराशि का विवरण शासन को सूचित करते हुए राजकोष में जमा कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

12- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति- आयोजनागत -101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05- नगरीय पेयजल-03-नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन, जीर्णोद्धार सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/ अशदान/ राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं०- 353/वित्त अनु०-03/ 2004 दिनांक 24 मई, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

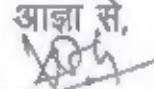
संलग्नक- यथोपरि

भवदीय,

 (कुंवर सिंह)
 अपर सचिव

सं०-1185/उन्तीस/०४- 2(47पे०) /2004, तद दिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- (1) महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून ।
- (2) मण्डलायुक्त गढ़वाल/ कुमाँयू, पौड़ी/ नैनीताल ।
- (3) जिलाधिकारी, देहरादून/ पौड़ी/ उधमसिंह नगर/ अल्मोडा/ पिथौरागढ़/ बागेश्वर/ नैनीताल ।
- (4) वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- (5) महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान कुमाँयू, परिक्षेत्र, नैनीताल ।
- (6) प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून ।
- (7) मुख्य अभियन्ता, (गढ़वाल/ कुमाँयू) उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, पौड़ी/ नैनीताल ।
- (8) वित्त अनुभाग-3 / वित्त (बजट सेल) / नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन ।
- (9) श्री एल० एम० पन्त, अपर सचिव वित्त बजट अनुभाग ।
- (10) निजी सचिव मा० मुख्यमंत्री/ मा० पेयजल मंत्री उत्तरांचल ।
- (11) निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून ।
- (12) निदेशक, एन०आई०सी, सचिवालय परिसर, देहरादून ।

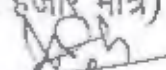
आज्ञा से,

(कुंवर सिंह)
अपर सचिव

शासनादेश- सं०-1185/उन्तीस/०४- 2(47पे०) /2004, दिनांक मई, 2004 का
संलग्नक

(धनराशि रू० लाख में)

क्र० सं०	जनपद का नाम	योजना का नाम	अनु० लागत	पूर्व अवमुक्त धनराशि	स्वीकृत धनराशि
1	2	3	4	5	6
1	देहरादून	मसूरी पे०यो०	330.40	274.00	18.40
2	पौड़ी	कोटद्वार पे०यो०	348.30	202.90	48.47
3	नैनीताल	नैनीताल पे०यो०	172.31	20.00	25.33
4	"	भवाली पे०यो०	47.47	15.00	32.47
5	"	हल्द्वानी सी०यो०	38.08	10.00	28.08
6	अल्मोडा	अल्मोडा पे०यो०	182.55	84.00	16.00
7	पिथौरागढ़	पिथौरागढ़ पे०यो०	244.95	40.00	33.70
8	"	धारचूला सी०यो०	19.23	5.00	14.23
9	बागेश्वर	बागेश्वर पे०यो०	54.85	15.00	39.85
10	उधमसिंह नगर	सितालगंज पे०यो०	45.53	15.00	30.53
11	"	गदरपुर पे०यो०	31.48	10.00	21.48
		योग:-	1515.15	690.90	308.54

(रू० तीन करोड आठ लाख चौव्वन हजार मात्र)


(कुवर सिंह)
अपर सचिव